A–1238

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY (N)–121

(मुहुर्त विचार)

2nd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मुहुर्त्त की व्यत्पत्ति कैसे हुई ? नामकरण एवं विवाह मुहुर्त्त का वर्णन कीजिए।

2. यात्रा में वार एवं लग्न शुद्धि का विश्लेषण कीजिए।

3. तिथि, नक्षत्र का परिचय देते हुए विस्तार से उसका उल्लेख कीजिए।

4. गर्भाधान एवं सीमान्तोन्नयन संस्कर का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. ऋतु, अयन, गोल का विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. देव प्रतिष्ठ एवं यात्रा मुहुर्त्त का वर्णन कीजिए।

2. संस्कार का मानव जीवन में क्या उपयोगिता है ? स्पष्ट कीजिए।

3. सौरमास, चान्द्रमास, सावनमासों का वर्णन कीजिए।

4. कर्णवेध एवं अन्नप्राशन संस्कारों का वर्णन कीजिए।

5. वारों में कृत्याकृत्य का विचार कीजिए।

6. यात्रा में चन्द्र शुद्धि का विचार कीजिए।

7. ध्रव, चर, उग्र, मिश्र, संज्ञक नक्षत्रों का वर्णन कीजिए।

8. अमृतसिद्धि एवं यमघण्ट योग का वर्णन कीजिए।

****